बी.ए. प्रथम वर्ष–जैन विद्या–प्रथम पत्र

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

(1) जैनदर्शानानुसार कालचक्र की अवधारणा को विस्तार से समझाइए।

Throw light on the thought of time cycle (Kalchakra) according to Jain Philosophy.

(2) आचार्य कुन्दकुन्द एवं आचार्य हरिभद्र का परिचय लिखिए।

Write the introduction of Acharya Kundkund and Acharya Haribhadra.

(3) आगम को परिभाषित करते हुए आगम वाचनाओं का वर्णन कीजिए।

Define the Agam and elaborate the Agam Vachanas.

(4) महावीर की साधना में आये उपसर्गों पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the Hordship of the Sadhana (Practices) of Lord Mahaveer.

(5) जैन संस्कृति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Elaborate the charcteristics of Jain Culture.

(6) जैन मूर्तिकला पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain Murtikala.

(7) जैन धर्म के प्रचार में राजाओं के योगदान को विस्तार से लिखिए।

Write in details the contribution of kings in spreading Jainism.

(8) भित्ती चित्र एवं इसकी विशेषताओं पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the characteristics ofWall Painting.

(9) भगवान ऋषभ के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालें।

Throw light on life and philosophy of Bhagwan Rishabh.

(10) गणधर किसे कहते हैं? सभी गणधरों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

Who is Ganadhar? Write in detail on each Ganadhar.

(11) भगवान् महावीर के समकालीन धर्म सम्प्रदाय का विवेचन करें।

Analyse the contemporary religious communities of Bhagwan Mahaveer?

(12) जैन धर्म के स्वरूप को बताते हुए उसकी प्राचीनता को सिद्ध करें।

Describe the forms of Jain Religion and explain its ancient form.

(14) दिगम्बर आगम साहित्य का विवेचन करें।

Analyse Digambar Agam Literature?

(15) कला किसे कहते हैं? जैन चित्रकला का विस्तार से वर्णन करें।

What is Art? Describe Jain Arts in detail.

बी.ए. प्रथम वर्ष–जैन विद्या–द्वितीय पत्र

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. तत्त्व एवं उसके प्रकार–Reality and its kinds
2. षडद्रव्य– Six substances
3. द्रव्य–गुण –पर्याय सम्बन्ध
   Relationship of substance, Attributes and Modes
4. जैन दर्शन में जीव एवं प्रकार
   Jiva (Soul) and its kinds in Jain Philosophy
5. लेश्या के स्वरूप, विशेषताएं एवं प्रकार
   Nature, Characteristics and Kinds of Lesya.
6. पुद्गल के स्वरूप एवं अवस्थाएं
   Nature of Pudgal (Matter) and its states
7. पर्याप्ति के स्वरूप एवं प्रकार
   Nature of Bio-potential & its kinds
8. प्राण की विशेषताएं एवं प्रकार
   Characteristics of Vitalities & its kinds
9. द्रव्य–गुण पर्याय–सम्बन्ध।
   The relation of substance (Dravya), Quality (Guna) and Modes (Paryaya)
10. जीव के स्वरूप एवं प्रकार।
    Nature and kinds of Jeeva (Soul)
11. आकाशास्तिकाय के स्वरूप एवं प्रकार।
    Nature and kinds of Akashastikaya
12. धर्मास्तिकाय एवं अधर्मास्तिकाय
    Dharmastikaya & Adharmastikaya
13. पुद्गल के स्वरूप एवं प्रकार
    Nature and Kinds of Pudgal (Matter)
14. जीव पुद्गल,सम्बन्ध
    Relation of Jeeva and Pudgal (Matter)
15. इन्द्रिय के स्वरूप एवं प्रकार
    Nature and kinds of Sense Organs